



GAIL का पेट्रोकेमिकल यूनिट में नविश

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के मुताबिक, राज्य संचालित गैस आपूर्तिकर्ता **GAIL (इंडिया)** ने मध्य प्रदेश के सीहोर में 1.5 मिलियन टन प्रतविर्ष (MTPA) ईथेन करैकगि यूनिट स्थापित करने के लिये 50,000 करोड़ रुपए तक नविश करने की योजना बनाई है।

मुख्य बद्दि:

- नई सुविधा का लक्ष्य **पेट्रोकेमिकल** की भारी घरेलू मांग को पूरा करना है, जिसके वर्ष 2040 तक लगभग तीन गुना बढ़कर 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है।
 - ईथेन एक प्राकृतिक गैस घटक है जिसे **एथलीन** में वभिजति किया जाता है, जो **प्लास्टिक, चपिकने वाले पदार्थ, सथैटिक रबर और अन्य पेट्रोकेमिकल के उत्पादन हेतु एक महत्त्वपूर्ण नविष्टि है।**
- वर्तमान में, **रलायंस इंडस्ट्रीज़** दहेज, हज़ीरा (गुजरात) और नागोथेन (महाराष्ट्र) में अपने पटाखों के लिये **1.5 MTPA ईथेन का आयात करने वाली एकमात्र भारतीय इकाई है।**
- **गेल का नया ईथेन करैकर उत्तर प्रदेश के कानपुर के पास पतारा** में उसकी मौजूदा **810 हज़ार टन प्रतविर्ष (KTA)** पेट्रोकेमिकल सुविधा को लगभग दोगुना कर देगा।
 - **ग्लोबल इंजीनियरिंग कंसल्टेंट इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड** इस परियोजना के लिये वसितुत व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार कर रही है, जिसके अगले 5-6 वर्षों में चालू होने की उम्मीद है।
- प्रारंभ में, GAIL ने महाराष्ट्र के औरंगाबाद या दाभोल में अपने 5 MTPA तरलीकृत प्राकृतिक गैस संयंत्र के पास नई सुविधा स्थापित करने पर वचिार किया, लेकिन बाद में मध्य प्रदेश पर नरिणय लिया।

GAIL (इंडिया) लिमिटेड

- यह भारतीय स्वामित्व वाली एक ऊर्जा नगिम है जिसका प्राथमिक हति **प्राकृतिक गैस के व्यापार, पारेषण और उत्पादन वतिरण में है**
- इसकी स्थापना HVJ गैस पाइपलाइन के नरिमाण, संचालन और रखरखाव के लिये पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत **अगस्त 1984** में गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के रूप में की गई थी
- 1 फरवरी 2013 को, भारत सरकार ने 11 अन्य **सार्वजनिक कषेत्र के उपकरमों (PSU)** के साथ GAIL को **महारत्न का दर्जा** प्रदान किया।